अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर दिनांक 22 मई, 2022 को "समस्त जीवन के लिए साझा भविष्य का निर्माण" विषयवस्तु पर उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा आई.वी.आर.आई., बरेली में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 22 मई, 2022 को अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर आई.वी.आर.आई., बरेली सभागार में मुख्य अतिथि माननीय राज्य मन्त्री, (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन एवं जन्तु उद्यान, उत्तर प्रदेश डॉक्टर अरूण कुमार सक्सेना जी एवं श्री सन्तोष गंगवार जी माननीय सांसद, बरेली ने *"समस्त जीवन के लिए साझा भविष्य का निर्माण"* ***("Building a Shared Future for All Life")*** विषयवस्तु पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ किया।

डा0 अरूण कुमार सक्सेना, माननीय राज्य मन्त्री (स्वतंत्र प्रभार)

इस अवसर पर प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए माननीय राज्य मन्त्री (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन एवं जन्तु उद्यान, उत्तर प्रदेश डा0 अरूण कुमार सक्सेना जी ने कहा कि धरती के पर्यावरण अर्थात् प्राणि व पादप प्रजातियॉ, नदियॉ, वेटलैण्ड, मृदा सहित समस्त सजीव व निर्जीव घटकों को समेकित रूप से संरक्षित कर ही हम धरती को बनाए व बचाए रखने में सफल हो सकते हैं। उक्त के परिपेक्ष्य में अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस की विषयवस्तु ''समस्त जीवन के लिए साझा भविष्य का निर्माण'' (Building a Shared Future for All Life) अत्यन्त प्रासंगिक है।

प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए डाक्टर सक्सेना ने कहा कि प्रदेश में जैव विविधता संरक्षण व संवर्धन, प्रदेश को हरा–भरा कर स्वच्छ व स्वस्थ पर्यावरण उपलब्ध कराने एवं कीट पतंगों, पक्षियों सहित विभिन्न वन्य प्राणियों को भोजन, जल व आश्रय उपलब्ध करवाने के लिए विगत पॉच वर्षों में माननीय योगी आदित्यनाथ जी के युवा, गतिशील व ऊर्जस्वी नेतृत्व में 100 करोड़ से अधिक पौधे रोपित कर विश्व कीर्तिमान स्थापित किया गया है। माननीय मन्त्री जी ने कहा कि समाज के समस्त वर्गों की सहभागिता से प्रदेश में आगामी पॉच वर्षों में 175 करोड़ पौध रोपित किए जाने हेतु प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। प्रदेशवासियों विशेषकर महिलाओं, बच्चों व युवाओं को कुपोषण से मुक्त कर रोगों से लड़ने हेतु प्रतिरोधक क्षमता का विकास कर स्वस्थ रखने, पशुओं के लिए चारे व वनाधारित उद्योगों के लिए कच्चे माल की उपलब्धता बढ़ाने हेतु विभागीय पौधारोपणों में सहजन, अमरूद, नीम, ऑवला, जामुन, आम, अनार, बेल सहित औषधीय व सुगन्धित, औद्योगिक व इमारती, चारा, शोभाकार एवं पर्यावरणीय महत्व की प्रजातियों के रोपण को वरीयता दी जा रही है। माननीय मन्त्री जी ने कहा कि वृहद् स्तर पर वृक्षारोपण के परिणाम स्वरूप प्रदेश के वनावरण व वृक्षावरण में वृद्धि एवं प्राकृतवास में सुधार के परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय पशु बाघ व राष्ट्रीय पशु हाथी की संख्या में वृद्धि हुई है। जैव विविधता व पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रदेश

सरकार के प्रयासों को अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हुई है तथा विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

डाक्टर सक्सेना ने कहा कि पौधरोपण, जैव विविधता एवं वन व वेटलैण्ड्स सहित समस्त पारिस्थितिक तन्त्र का संरक्षण व संवर्धन में योगदान व सक्रिय सहयोग प्रकृति के उपकारों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का एक सरल उपाय है। उन्होंने प्रत्येक आयु के व्यक्ति से इस दिशा में कार्य कर जैव विविधता सुरक्षित रखने में अपना योगदान प्रस्तुत करने का अनुरोध किया।

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर माननीय मन्त्री जी ने प्रदेशवासियों का आह्वाहन किया कि ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयास'' की भावना के अनुरूप पौध रोपित, सिंचित व सुरक्षित कर एवं प्रदेश सरकार द्वारा जैव विविधता सुरक्षा व वृद्धि हेतु किए जा रहे प्रयासों में सहयोगी व सहभागी बनकर प्रदेश को जलवायु परिवर्तन की दर में वृद्धि के प्रतिकूल प्रभावों से सुरक्षित रखने में सहयोगी व सहभागी बनें।

श्री सन्तोष गंगवार माननीय सांसद, बरेली ने अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आज का विचार विमर्श सम्पूर्ण समाज के लिए उपयोगी व हितकारी है।

सन्तोष गंगवार. माननीय सांसद. बरेली

मनोज सिंह, अपर मुख्य सचिव

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी मे अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन/अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड श्री मनोज सिंह ने उत्तर प्रदेश में विद्यमान जैव विविधता परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मनुष्य पारिस्थितिक तन्त्र के शीर्ष पर नहीं अपितु उसका अंग है। विभिन्न अधिनियिमों, नीतियों, योजनाओं व सतत् विकास लक्ष्य सहित जैव विविधता

संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए श्री सिंह ने कहा कि व्यापक जन सहभागिता के माध्यम से 'सबका साथ, सबका विकास' का मन्त्र अपनाकर जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से सुरक्षित रह सकते हैं। अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति 302 पौध रोपित कर पृथ्वी के ऋण से मुक्त हो सकता है किन्तु व्यक्तिगत रूप से ऐसा सम्भव न होने की स्थिति में प्रत्येक व्यक्ति वन विभाग द्वारा चलाए जा रहे वृक्षारोपण अभियान में प्रतिभाग कर सकता है। श्री सिंह ने उत्तर प्रदेश में जैव विविधता रणनीति व कार्य योजना, विरासत वृक्षों का चयन व अभिलेखीकरण, रक्षासूत्र बन्धन कार्यक्रम एवं दृश्य व लक्ष्य का उल्लेख करते हुए राष्ट्रीय पशु बाघ, राष्ट्रीय धरोहर हाथी व गैण्डों विभिन्न वन्य प्राणियों की संख्या में हुई वृद्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की।

ममता संजीव दूबे, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में श्रीमती ममता संजीव दूबे, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि सहित समस्त अभ्यागतों का स्वागत करते हुए जैव विविधता के महत्व से अवगत कराया। श्रीमती दूबे ने कहा कि जैव विविधता के प्रति अपना दायित्व समझ लेने पर हम सब पृथ्वी को रहने योग्य बना देंगे। मानव 'जैव विविधता का एक छोटा सा अंग है किन्तु जैव विविधता संरक्षण व विनाश दोनो में ही उसकी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश ने कहा कि धरती का न कभी विनाश हुआ है न होगा किन्तु मानव, लालच व अदूरदर्शिता के वशीभूत होकर प्रकृति के अनियोजित विदोहन से अपने स्वयं के विनाश को आमन्त्रित कर रहा है। उत्तरकाशी व केदारनाथ में आई प्राकृतिक आपदा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि एक सीमा से अधिक जैविक दबाव डालने पर पृथ्वी विनाशकारी परिणाम देगी। मधुमक्खी की परागण में भूमिका का उल्लेख करते हुए श्रीमती ममता संजीव दूबे ने कहा कि हमारे पारिस्थितिक तन्त्र को स्वस्थ व स्वच्छ रखने में प्रत्येक प्राणि व पादप प्रजाति की महत्वपूर्ण भूमिका है। श्रीमती दूबे ने पर्यावरण को बचाने में वनीकरण की भूमिका एवं एक वृक्ष द्वारा 50–60 प्रजातियों का संरक्षण होने का

उल्लेख करते हुए भावी पीढ़ी के सुखद व सुखमय भविष्य हेतु प्रतिभागियों से अधिकाधिक पौध रोपित करने का अनुरोध किया।

बी0 प्रभाकर, सचिव, उ0प्र0रा0जै0वि0बो0

सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड श्री बी0 प्रभाकर ने संगोष्ठी के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस की पृष्ठभूमि, उद्देश्य, पारिस्थितिकी तन्त्र में विभिन्न प्रजातियों की भूमिका व निर्भरता एवं जैव विविधता संरक्षण में जन सामान्य की भूमिका से अवगत कराया। श्री बी0 प्रभाकर ने कहा कि समाज के समस्त वर्गो व स्टेकहोल्डर्स की सहभागिता से जीवन के समस्त रूपों की सुरक्षा कर पृथ्वी व मानव का अस्तित्व बनाए रखने में सफलता प्राप्त की जा सकती है।

डॉ0 मुनव्वर आलिम खालिद, विभागाध्यक्ष

शुभारम्भ सत्र के मुख्य वक्ता डॉ0 मुनव्वर आलिम खालिद, विभागाध्यक्ष, पर्यावरणीय विज्ञान विभाग, इंटीग्रल विश्वविद्यालय, लखनऊ ने मुख्य वक्ता के रूप में जैव विविधता व जलवायु परिवर्तन के सन्दर्भ में समस्त जीवन के लिए साझा भविष्य निर्माण ("Building a Shared Future for All Life with respect to Biodiversity and Changing Climate") पर प्रतिभागियों को सम्बोधित किया।

श्री कपिल कौल

श्री कपिल कौल, राष्ट्रीय अध्यक्ष, इंडो अमेरिकन चैम्बर ऑफ कामर्स ने उद्योगों के सम्बन्ध में जैव विविधता संरक्षण परिदृश्य पर अपने विचार व्यक्त किए ।

प्रथम व द्वितीय तकनीकी सत्रों में भारतीय वन सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी एवं स्वतन्त्र निदेशक, आर.वी.एल. नई दिल्ली श्री आर.एस. मूर्ति ने समस्त जीवन के लिए साझा भविष्य का निर्माण, सम्बद्ध पारम्परिक ज्ञान का संरक्षण एवं लाभ के साझेदारी की पहुँच में वृद्धि ("Building a Shared Future for All Life and Conserving Associate Knowledge and Enhancing the ABS Potential") ।

श्री आर, एस. मूर्ति

श्रीमती शालिनी सिंह विसेन

श्रीमती शालिनी सिंह विसेन, निदेशक, एमिटी फूड एण्ड एग्रीकल्चर फाउण्डेशन, एमिटी विश्वविद्यालय, लखनऊ ने मृदा कार्बनिक पदार्थ के निर्माण में मृदा माइक्रोब्स के लाभ ("Leveraging Soil Microbes to Build Soil Organic Matter") विषयवस्तु पर विचार विमर्श किया।

विभिन्न तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता श्रीमती ममता संजीव दूबे, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश, श्री संजय सिंह, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव, उत्तर प्रदेश एवं सह अध्यक्षता श्री कपित कौल, राष्ट्रीय अध्यक्ष इंडो अमेरिकन चैम्बर ऑफ कामर्स व इंडो अमेरिक चैम्बर ऑफ कामर्स लखनऊ सेण्टर श्री मुकेश सिंह द्वारा की गई।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा सृजित प्रसार साहित्य *''जैव विविधता प्रबन्ध समितियों के सुदृढ़ीकरण एवं क्षमता विकास कार्यक्रम हेतु* प्रशिक्षण सामग्री'', पर्यावरण कैलेण्डर एवं उत्तर प्रदेश की जैव विविधता पोस्टर का विमोचन किया गया।

मुख्य अतिथि की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में जैव संसाधन का उपयोग करने वाले व्यापारियों, विनिर्माताओं, जैव विविधता प्रबन्ध समितियों के पदाधिकारियों व सदस्यों, प्रगतिशील कृषकों, विभिनन अनुसन्धान संस्थानों व गैर सरकारी सदस्यों के प्रतिनिधियों, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के गैर सरकारी सदस्यों, कृषि, पशुधन विकास, मत्स्य, उद्यान विभाग एवं पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

कार्यशाला की संस्तुतियॉ

- जैव विविधता संरक्षण एवं विकास के मध्य समन्वय स्थापित करने हेतु योजनाएं जैव विविधता केन्द्रित योजनाएं बनाई जाएं।
- प्राकृतिक संसाधनों के प्रबन्धन में जैव संसाधनों पर निर्भर समुदायों, स्थानीय निवासियों एवं जैव विविधता प्रबन्ध समितियों को सक्रिय रूप से जोड़ा जाए।
- समस्त प्रदेशवासियों विशेषकर विद्यार्थियों, कृषकों एवं जैव संसाधन उत्पादकों के मध्य जैव विविधता संरक्षण व संवर्धन हेतु व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया जाए।
- जैव विविधता संरक्षण व जैव विविधता संरक्षण कार्यों के संचालन के लिए सरकारी स्रोतों के साथ ही अन्य स्रोतों यथा सी.एस.आर., ए.बी.एस. एवं परियोजना आदि के माध्यम से फण्ड एकत्र करने पर विशेष ध्यान दिया जाए।
- जैव विविधता कार्यों को प्रत्यक्ष रूप से जन कल्याण से जोड़ा जाए। प्रदेशवासियों विशेषकर महिलाओं, बच्चों, युवाओं को कुपोषण से मुक्त कर रोगों से लड़ने हेतु प्रतिरोधक क्षमता का विकास कर स्वस्थ रखने, पशुओं के लिए चारे व वनाधारित उद्योगों के लिए कच्चे माल की उपलब्धता बढ़ाने हेतु सहजन, अमरूद, नीम, ऑवला, जामुन, आम, औषधीय पौधे, शीशम, सागौन, बरगद, नीम, महुआ, पीपल जैसी प्रजातियों का अधिक से अधिक रोपण किया जाए।

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर दिनांक 22 मई, 2022 को ''समस्त जीवन के लिए साझा भविष्य का निर्माण'' विषयवस्तु पर उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा आई.वी.आर.आई., बरेली में आयोजित कार्यक्रम की झलकियॉ

निमंत्रण पत्र

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड
द्वारा
अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस–2022
के अवसर पर
"Building a shared future for all life"
विषयवस्तु पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी

मुख्य अतिथि :

डा0 अरूण कुमार सक्सेना

माननीय राज्यमंत्री, (स्वतंत्र प्रभार)
वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं
जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश

विशिष्ट अतिथि :

श्री कृष्णपाल मलिक,

माननीय राज्य मंत्री
वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं
जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश

दिनांक : 22 मई, 2022, समय : पूर्वान्ह 10.30 बजे
स्थल : आई.वी.आर.आई. सभागार, बरेली

राष्ट्रीय संगोष्ठी में आप सादर आमंत्रित हैं।

बी0 प्रभाकर
सचिव,
उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड
लखनऊ

मनोज सिंह
अध्यक्ष,
उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड/
अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एव जलवायु परिवर्तन
विभाग, उ0प्र0 शासन

समाचार पत्रों से

4 **दैनिक जागरण** बरेली, 23 मई, 2022 **बरेली जागरण**

पांच साल में 100 करोड़ पौधे रोपित कर सरकार ने बनाया कीर्तिमान, सांसद संतोष गंगवार ने संगोष्ठी को बताया हितकारी

पौधारोपण से बढ़ी हरियाली, पर्यावरण की सेहत में आया सुधार

जागरण संवाददाता, बरेली: जीव-जंतु, वनस्पतियों, नदियों, वेट लैंड व मृदा समेत तमाम सजीव व निर्जीव घटकों को समेकित रूप से संरक्षित कर ही हम धरती का अस्तित्व बचा सकते हैं। जैव विविधता संरक्षण के लिए सरकार ने बीते पांच वर्ष में 100 करोड़ से ज्यादा पौधे रोपित कर कीर्तिमान बनाया है। इसी की देन है कि बाघ व हाथी सहित अन्य वन्यजीवों की संख्या में वृद्धि हुई है। उक्त बातें प्रदेश के पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा. अरुण कुमार ने कहीं। वह रविवार को भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान में अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने अन्य अतिथियों के साथ गोष्ठी का शुभारंभ भी किया।

संगोष्ठी को संबोधित करते वन राज्य मंत्री डा. अरुण कुमार व मंचासीन लोग ● जागरण

उन्होंने कहा कि सभी इस मुहिम में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार ने संगोष्ठी पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए इसे पूरे समाज के लिए उपयोगी बताया। डा. मुनव्वर आलिम खालिद, विभागाध्यक्ष, पर्यावरणीय विज्ञान विभाग, कपिल कौल, राष्ट्रीय अध्यक्ष इंडो-अमेरिकन चैंबर आफ कामर्स, भारतीय वन सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी आरएस मूर्ति आदि ने भी अपने विचार रखे। मुख्य वन संरक्षक ललित कुमार वर्मा, प्रभागीय वनाधिकारी समीर कुमार भी मौजूद रहे।

आइवीआरआइ में रविवार को जैव विविधता दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मौजूद लोग ● जागरण

अगले पांच साल में रोपित होंगे 175 करोड़ पौधे

वन राज्यमंत्री ने कहा कि समाज के सभी वर्गों की सहभागिता से प्रदेश में आगामी पांच वर्षों में 175 करोड़ पौधे रोपित किए जाएंगे। इसमें सहजन, अमरूद, नीम, आंवला, जामुन, आम, अनार, बेल सहित औषधीय व सुगंधित औद्योगिक व इमारती, चारा, शोभाकार एवं पर्यावरणीय महत्व के पौधों को वरीयता दी जाएगी।

केदारनाथ आपदा का किया उल्लेख

संगोष्ठी में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष ममता संजीव दूबे ने कहा कि धरती का न कभी विनाश हुआ है, न होगा। मानव, लालच व अदूरदर्शिता के वशीभूत होकर प्रकृति के अनियोजित दोहन से स्वयं के विनाश को आमंत्रित कर रहा है। उत्तरकाशी व केदारनाथ में आई प्राकृतिक आपदा का उल्लेख करते हुए कहा कि एक सीमा से अधिक जैविक दबाव डालने पर पृथ्वी विनाशकारी परिणाम देगी। उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के सचिव बी- प्रभाकर ने संगोष्ठी के उद्देश्यों की जानकारी दी।

---

31 तक नहीं कराई ई-केवाईसी तो रुक जाएगी 11वीं किस्त

बरेली। जिन किसानों ने अपने खाते की ई-केवाईसी नहीं करवाई है, उनके खाते में सम्मान निधि की 11 वीं किस्त नहीं आएगी। 31 मई से पहले ऐसे किसान ई-केवाईसी जरूर करा लें।

जिले में 5.02 लाख किसान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि पा रहे हैं। अब तक 3,26,300 किसानों ने ई-केवाईसी कराई है, जबकि 1.75 किसानों ने अभी तक ई-केवाईसी नहीं कराई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि पा रहे किसानों के लिए ई-केवाईसी कराए जाने का एक सप्ताह का समय रह गया है। 31 मई के बाद उनकी किस्त रुक जाएगी। कृषि विभाग की ओर से लगातार किसानों को जागरूक किया जा रहा है। जिला कृषि अधिकारी धीरेंद्र चौधरी ने बताया कि महीने के अंत तक जो किसान इसे नहीं कराएंगे, उन्हें अपात्र मानते हुए सम्मान निधि की वसूली की जाएगी। जिले के किसानों की ई-केवाईसी की जा रही है। अभी तक 35 फीसदी किसानों ने ही ई-केवाईसी कराई है। इसलिए बड़ी संख्या में किसान पीएम किसान सम्मान निधि की 11 वीं किस्त से वंचित हो जाएंगे।

जैव विविधता संरक्षण का मतलब सबका साथ सबका विकास

वन एवं पर्यावरण मंत्री डा. अरुण कुमार ने कहा-पांच साल में प्रदेश के वनावरण में हुई वृद्धि

अमृत विचार, बरेली

वन एवं पर्यावरण मंत्री डा. अरुण कुमार ने कहा कि धरती के पर्यावरण यानी प्राणी और पादप प्रजातियों, नदियां, वेटलैण्ड, मृदा समेत तमाम सजीव और निर्जीव घटकों को समेकित रूप से संरक्षित कर धरती को बनाए और बचाए रखने में सफल हो सकते हैं। जैव विविधता संरक्षण और संवर्धन, स्वच्छ व स्वस्थ पर्यावरण उपलब्ध कराने एवं कीट पतंगों, पक्षियों सहित विभिन्न वन्य प्राणियों को भोजन, जल व आश्रय उपलब्ध करवाने के लिए पांच सालों में राज्य सरकार 100 करोड़ से ज्यादा पौधे रोपित कर चुकी है। इससे प्रदेश के वनावरण व वृक्षावरण में वृद्धि हुई है। प्राकृतवास में सुधार के परिणाम हैं कि बाघ और हाथी की संख्या बढ़ी है। सबका साथ सबका विकास और सबका प्रयास भावना के जरिए जैव विविधता संरक्षण में सहभागी बना जा सकता है। अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर आईवीआरआई सभागार में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। "समस्त जीवन के लिए साझा भविष्य का निर्माण" विषय पर बरेली में पहली बार हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद संतोष गंगवार ने जैव विविधता पर विचार विमर्श को पूरे समाज के लिए उपयोगी और हितकारी बताया। डा. मुनव्वर आलिम खालिद, विभागाध्यक्ष, पर्यावरणीय विज्ञान विभाग, कपिल कौल, राष्ट्रीय अध्यक्ष इंडो अमेरिकन चैम्बर आफ कामर्स, भारतीय वन सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी आरएस मूर्ति ने विचार रखे। मुख्य वन संरक्षक ललित कुमार वर्मा, प्रभागीय वनाधिकारी समीर कुमार भी मौजूद रहे।

आईवीआरआई में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर प्रसार साहित्य का किया गया विमोचन। ● अमृत विचार

- पूर्व केंद्रीय मंत्री ने जैव विविधता पर विचार विमर्श को पूरे समाज के लिए उपयोगी बताया
- जैव विविधता दिवस पर आईवीआरआई में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ
- मानव जैव विविधता का एक छोटा सा अंग मात्र है

पौधे रोपकर धरती के ऋण से हो सकते हैं मुक्त

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव एवं उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिंह ने कहा कि हमारा 500 लाख टन आक्सीजन उत्सर्जित करने का लक्ष्य है। जलवायु परिवर्तन से लड़ना है तो मिलकर काम करना होगा। प्रत्येक व्यक्ति 302 पौधे रोपित कर पृथ्वी के ऋण से मुक्त हो सकता है। अगर वह ऐसा नहीं कर पा रहा है तो वन विभाग के पौधरोपण अभियान में हिस्सा ले सकता है।

मानव अपने ही विनाश को बुलावा दे रहा है

प्रधान मुख्य वन संरक्षक ममता संजीव दूबे ने कहा कि मानव जैव विविधता का एक छोटा सा अंग है। धरती का न कभी विनाश हुआ है न होगा, लेकिन मानव अपनी लालच और अदूरदर्शिता के चलते प्रकृति के अनियोजित विदोहन से स्वयं के विनाश को बुलावा दे रहा है। एक सीमा से अधिक जैविक दबाव डालने पर पृथ्वी विनाशकारी परिणाम देगी। उन्होंने मधुमक्खी की परागण में भूमिका बताते हुए कहा कि हमारे पारिस्थितिक तंत्र को स्वस्थ और स्वच्छ रखने में प्रत्येक प्राणी या पादप प्रजाति की महत्वपूर्ण भूमिका है। उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के सचिव बी प्रभाकर ने कहा कि सहभागिता से जीवन के समस्त रूपों की सुरक्षा कर पृथ्वी और मानव का अस्तित्व बनाए रखने में सफलता प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधानों व स्थानीय लोगों की प्रबंध समिति होगी तैयार

हर क्षेत्र में तैयार किया जाएगा बायो डायवर्सिटी रजिस्टर

बरेली। जैव विविधता संरक्षण को विशेषज्ञ बेहद नया विषय मानते हैं। उनके मुताबिक इस पर संगोष्ठियों से बाहर निकलकर आम जन के साथ बात करना बेहद जरूरी है। हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है यहां कुछ न कुछ अलग मौजूद है। फिर चाहे वहां की औषधियां, कीट पतंगे, फसलें, पशु, पक्षी ही क्यों न हों। इनका लेखा-जोखा रखने के लिए प्रबंध समितियों का गठन कर एक बायो डायवर्सिटी रजिस्टर तैयार किया जाएगा। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील चौधरी ने बताया कि बढ़ती मानव जनसंख्या के कारण जैविक संसाधनों का दोहन भी बढ़ा है। अतिशोषण दुनिया भर में बहुत सारी जैविक प्रजातियां विलुप्त हो रही हैं। बढ़ती ग्रामीण बेरोजगारी, उन्नत शोषण विधियों का विकास तथा अर्थव्यवस्था के वैश्वीकरण ने बहुत सी प्रजातियों को विलुप्ति के शीर्ष पर पहुंचा दिया है। इसलिए जैविक प्रजातियों के संरक्षण को हर गांव में एक प्रबंध समिति का गठन होगा जिसकी जिम्मेदारी ग्राम प्रधानों और क्षेत्रीय लोगों को दी जाएगी।

प्रसार साहित्य का किया गया विमोचन

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि ने उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा तैयार किए गए प्रसार साहित्य, पर्यावरण कैलेंडर एवं जैव विविधता पोस्टर का विमोचन किया। संगोष्ठी में जैव संसाधन का उपयोग करने वाले व्यापारियों, विनिर्माताओं जैव विविधता प्रबंध समितियों के पदाधिकारियों और सदस्य प्रगतिशील कृषकों, विभिन्न अनुसंधान संस्थानों व गैर सरकारी सदस्यों के प्रतिनिधियों, कृषि, पशुधन विकास, मत्स्य उद्यान विभाग, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

AIL INMATE
S FROM
SPITAL

An undertrial made
ape from SRN hospi-
e was admitted for
n Sunday. The pris-
utside the ward on
f taking a walk and
ay in the morning.
n duty give him a
he could not be

der has been sus-
negligence and
on to trace the pris-
and jail officials said.
g to reports, hailing
pur Magaiti village,
(33) was arrested in
21 in a case of gang
d at Civil Lines police
nior Superintendent
ntral Jail PN Pandey
was suffering from
d other problems.
he was admitted to
l on the advice of
il hospital. Deepak
the ward on third
old building of the
d two cops were
re to guard him.
rted that Deepak
he ward on pretext
walk on Sunday
d ran out of the
denly.
naged to dodge the
HTC

'Govt will plant 175 cr saplings in next 5 yrs'

State forest minister Arun Kumar Saxena and Bareilly MP Santosh Gangwar in a national seminar organised on the Biodiversity Day at Indian Veterinary Research Institute (IVRI), Bareilly, on Sunday. SOURCED

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW : A national seminar on "building a shared future for all life" was organised on the Biodiversity Day at Indian Veterinary Research Institute (IVRI), Bareilly, on Sunday. State forest minister Arun Kumar Saxena and Bareilly MP Santosh Gangwar were also present on the occasion.

Addressing the gathering, minister Saxena said in the past 5 years the state had planted a record 100 crore saplings. "In the next five years, the state government has decided to plant 175 crore saplings," he added.

Additional chief secretary, environment, Manoj Singh said each person should plant 302 saplings in their lifetime and if they were unable to do so individually, they could participate in the plantation drive of the forest department.

The speakers said efforts from one and all were required to save the earth and the environment by saving rivers, wetland and soil. During the event, an environment calendar and biodiversity poster were also released.

– बी प्रभाकर, सचिव, उत्तर प्रदेश जैव विविध

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

भविष्य की खातिर करें जैव विविधता संरक्षण

बरेली, कार्यालय संवाददाता। अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर आईवीआरआई सभागार में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। 'जीवन के लिए साझा भविष्य का निर्माण' विषय पर चर्चा करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भविष्य सुरक्षित बनाने के लिए जैव विविधता संरक्षण की ओर सबको कदम बढ़ाने होंगे।

वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि बेहतर पर्यावरण के लिए हमें पौधरोपण को बढ़ाना होगा। प्रदेश के जैव विविधता बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिंह ने कहा कि मनुष्य भी पारिस्थितिक तन्त्र का एक अंग है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति 302 पौध रोपित कर पृथ्वी के ऋण से मुक्त हो सकता है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष ममता संजीव दुबे ने कहा कि जैव विविधता के प्रति अपना दायित्व समझ लेने पर हम सब पृथ्वी को रहने योग्य बना देंगे। जैव विविधता के संरक्षण और विनाश दोनों में मानव की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि एक सीमा से अधिक ज़ैविक दबाव डालने के कारण ही उत्तरकाशी व केदारनाथ में प्राकृतिक आपदा आई। उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के सचिव बी प्रभाकर ने कहा कि समाज के समस्त वर्गों व स्टेकहोल्डर्स सहभागिता से जीवन समस्त रूपों की सुरक्षा कर पृथ्वी व मानव का अस्तित्व बनाए रखने में सफलता प्राप्त की जा सकती है। 'जैव विविधता प्रबन्ध समितियों के सुदृढीकरण एवं क्षमता विकास कार्यक्रम हेतु प्रशिक्षण सामग्री', पर्यावरण कैलेण्डर एवं उत्तर प्रदेश की जैव विविधता पोस्टर का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वन संरक्षक ललित वर्मा, वन संरक्षक विजय सिंह, डीएफओ समीर कुमार आदि का विशेष सहयोग रहा।

आईवीआरआई सभागार में राष्ट्रीय संगोष्ठी पर विचार व्यक्त करते वक्ता।

जैव विविधता को बचाने की आवश्यकता

बरेली। बरेली कॉलेज के बीबीए विभाग में पीजी फोरम ने जैव विविधता पर कार्यक्रम का आयोजन किया। छात्रों ने पोस्टर, कोलाज और पावरप्वाइंट प्रस्तुति के जरिए अपनी बात रखी। कॉलेज कोऑर्डिनेटर डॉ. राजीव यादव और विभागध्यक्ष डॉ. अतुल यादव ने जैव विविधता को बचाने पर जोर दिया।